News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Cadaver Organ Donor

Lt. Yesh Zaverilal Varma

Donated his: Kidney & Liver

Date:- 24/04/2022

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

अंगदान • ब्रेनडेड यश के अंग 362 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अहमदाबाद भेजे गए

ब्रेनडेड यश के अंग परिजनों ने दान किए, तीन को मिली नई जिंदगी

सिटी रिपोर्टर | सूरत

क्षत्रिय समाज के ब्रेनडेड 25 वर्षीय यश वर्मा के परिवार ने उनकी किडनी और लीवर दान किए। इससे जरूरतमंद तीन लोगों को नई जिंदगी मिली है।

दान की गई दोनों किडनी में से एक जेतपुर निवासी 31 वर्षीय में व्यक्ति में और दूसरी अहमदाबाद निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई। लीवर अहमदाबाद निवासी 43 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया अहमदाबाद के अस्पताल में की गई।

किडनी और लीवर अहमदाबाद सुरक्षित पहुंचाने के लिए वापी के हरिया अस्पताल से अहमदाबाद तक 362 किमी सड़क मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर बनाने में राज्य के अलग-अलग शहरों और ग्रामीण पुलिस ने सहयोग प्रदान किया। यश की पत्नी मानसी ने बताया कि 'मेरे पति का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निश्चित है। अंगदान के माध्यम से अंग विफलता के रोगियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है। इससे उनके अंग इन लोगों में जीवित रहेंगे। इसलिए अंगदान के लिए आगे बढ़ें। यश के परिवार में उनकी पत्नी मानसी (21), बेटी जिनल (4), बेटा तनिष्क (2) और पिता झवेरीलाल (64) के हैं। छह महीने पहले यश की मां की मौत हो गई थी।

वापी के एलजी हरिया अस्पताल में ब्रेनडेड यश के पास उपस्थित परिवार के सदस्य।

यश वर्मा दुकान से घर जाते समय बाइक फिसलने से हो गए थे घायल

घटना के अनुसार उमरगाम जीआईडीसी स्थित बावन हेक्टेयर निवासी और बोरडी में जिनल टायर के नाम से विभिन्न कंपनियों के टायर डीलर यश 13 अप्रैल की रात 9.30 बजे बाइक से दुकान से घर जा रहे थे, तभी उनकी बाइक गोवाडा कोस्टल हाईवे वे ब्रिज पर फिसल गई। इससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल उमरगाम के जन स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर प्राथमिक उपचार देकर रात साढ़े 11 बजे वापी के हरिया एलजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां न्यूरोसर्जन डॉ. वासुदेव चांदवानी के मार्गदर्शन में इलाज शुरू हुआ। सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज का पता चला। जिसका इलाज किया गया। 22 अप्रैल को डॉक्टरों ने यश को ब्रांडेड घोषित कर दिया। इसकी जानकारी होने पर डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर यश की पत्नी मानसी, पिता झवेरीलाल, भाई दुर्गेश, करण और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया बताई। जिस पर परिवार के सदस्यों ने यश के अंगदान के लिए सहमति दे दी। डोनेट लाइफ के निलेश मांडलेवाला ने बताया कि सूरत और दक्षिण गुजरात से अब तक कुल 1008 अंगों और टिस्यू का दान कराया गया हैं। जिनमें 424 किडनी, 181 लीवर, 8 पैंक्रियाज, 40 हार्ट, 26 फेफड़े,4 हाथ और 326 आंखों के दान से कुल 922 व्यक्तियों को नया जीवन और नई रोशनी देने में सफलता मिली है।

किडनी और लीवर पहुंचाने के लिए 362 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाया

ब्रेनडेड युवक के परिजनों ने किया अंगदान, तीन को मिली जिंदगी

दुकान से रात में घर लौटते समय खाड़ी पुल पर मोटरसाइकिल फिसलने से हुआ था गंभीर रुप से घायल

सूरत @ पत्रिका. वलसाड जिले के उमरगाम तहसील निवासी एक युवक 13 अप्रेल को रात में दुकान से मोटरसाइकिल पर घर जा रहा था, तभी उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे वापी के हरिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां ब्रेन हेमरेज होना पता चला। चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया जिसके बाद परिवार ने अंगदान का निर्णय किया। इससे तीन जनों को नई जिंदगी मिली है।

उमरगाम नई जीआईडीसी पानी की टंकी के पास बावन हेक्टर निवासी यश जवेरीलाल वर्मा ने बोरडी में जीनल टायर के नाम से विभिन्न कंपनियों के टायर की डीलरशिप ली थी। यश 13 अप्रेल रात 8.30 बजे मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे तभी गोवाडा कोस्टल हाइवे खाड़ी पुल के पर उसकी मोटरसाइकिल फिसल गई। उमरगाम पब्लिक हेल्थ सेंटर में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रात 11.50 बजे वापी हरिया एल. जी. रोटरी अस्पताल ले जाया गया। न्यूरोसर्जन डॉ. वासुदेव चंदवाणी ने सीटी स्कैन करवाया जिसमें ब्रेन हेमरेज की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया लेकिन 22 अप्रेल को उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

अस्पताल से सूचना मिलने पर डोनेट लाइफ प्रमुख निलेश मांडलेवाला मौके पर पहुंचे और परिवार को अंगदान की जानकारी दी। सहमति मिलने पर मांडलेवाला ने स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) से सम्पर्क किया और किडनी, लीवर दान की जानकारी दी। एसओटीटीओ ने किडनी, लीवर अहमदाबाद की इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर को दिया। चिकित्सकों की टीम सूरत आई और दान स्वीकार किया।

दान में मिली एक किडनी जेतपुर निवासी 31 वर्षीय व्यक्ति, दूसरी किडनी अहमदाबाद निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति, लीवर का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद निवासी 43 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई है। किडनी, लीवर दान में लेने के बाद अंगों को समय से वापी से अहमदाबाद पहुंचाने के लिए 362 किमी सडक़ मार्ग पर ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसमें राज्य के विभिन्न शहर व ग्रामीण पुलिस ने सहयोग किया।

यश के परिवार में पत्नी मानसी (21), पुत्री जीनल (4), पुत्र तनीष्क (2), पिता झवेरलाल (64) हैं। माता का छह माह पहले निधन हुआ था।

गौरतलब है कि सूरत समेत दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ ने 1009 अंगों व टिश्यू का दान लिया। 424 किडनी, 181 लीवर, 8 पेंरि याज, 40 हृदय, 26 फेफड़े, 4 हाथ, 326 चक्षुओं के दान से 922 व्यक्तियों को नया जीवन व दृष्टि मिली है।

मेड क्षत्रिय समाज के ब्रेनडेड युवक के परिवार ने तीन व्यक्तियों को पुनर्जीवन दे कर मानवता की सुगंध फैलाई

डोनेट लाइफ संस्था द्वारा एक और अंगदान वापि की हरिया एल.जी. रोटरी अस्पताल से किया गया

अतुल्य हिन्दुस्तान संवाददाता

सूरत। बोर्डी में जिनल टायर के नाम से विभिन्न कंपनियों के टायर डीलरशिप के मालिक यश 13 अप्रैल की रात 8.30 बजे मोटरसाइकिल से अपनी दुकान से घर आ रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल गुजरात की तरफ गौड़ा कोस्टल हाईवे बे ब्रिज पर फिसल गई। उसे सिर में गंभीर चोटें आई। इसलिए उसे उमरगाम के जन स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर प्राथमिक उपचार देकर रात साढ़े 11 बजे हरिया एल.जी वापी लाया गया। उन्हें न्यूरोसर्जन डॉ. वासुदेव चांदवानी के इलाज में रोटरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन से ब्रेन हेमरेज का पता चला।

शुक्रवार, 22 अप्रैल को वापी हरिया एलजी रोटरी अस्पताल के डॉक्टरों ने यश को ब्रेनडेड घोषित कर दिया और डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला को फोन कर यश के ब्रेनडेड की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर यश की पत्नी मानसी, पिता झवेरीलाल, भाई दुर्गेश, देवर करण और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। यश की पत्नी मानसी ने कहा, 'मेरे पति का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निकट है। उनका शरीर जलकर राख होने वाला है। अगर अंगदान के माध्यम से अंग विफलता के रोगियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, तो अंगदान के लिए आगे बढ़ें।' यश के परिवार में उनकी पत्नी मानसी (21), बेटी जिनाल (4), बेटा तनिष्क (2) और पिता जावरलाल (64) हैं। छह महीने पहले यश की मां का देहांत हो गया था।

SOTTO द्वारा किडनी और लीवर इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर (IKDRC), अहमदाबाद को दान किया गया। अहमदाबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर (IKDRC) के डॉ. कल्याण और उनकी टीम ने ऐसी किडनी और लीवर का दान स्वीकार किया।

दान की गई दो किडनी में से एक का जेतपुर निवासी 31 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपण किया गया था, दूसरे का अहमदाबाद निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपण किया गया था, जबकि अहमदाबाद के 43 वर्षीय व्यक्ति में किडनी रोग संस्थान में यकृत प्रत्यारोपण किया गया था। अनुसंधान केंद्र (आईकेडीआरसी)।

डोनेट लाइफ द्वारा सूरत और दक्षिण गुजरात से कुल 1009 अंग और ऊतक दान किए गए हैं, जिसमें 424 किडनी, 181 लीवर, 8 अग्न्याशय, 40 दिल, 26 फेफड़े, 4 हाथ और 326 आंखें दान की गई हैं और कुल 922 व्यक्तियों को नया जीवन और नई दृष्टि दी है।

मरने के बाद भी अंगो का दान कर के युवक ने बचाई तीन लोगों की जान

लोकतेज संवाददाता

वलसाड । मृत्यु के बड़ा जीना पूरी तरह से असंभव है। हालांकि वलसाड जिले के उमरगाम के परिवार ने अपने बेटे की मौत होने के बाद भी उसे जीवित रखा है। उत्तरप्रदेश से स्थायी होने के लिए उमरगाम में स्थायी यश वर्मा नामक युवक अपनी दुकान बंद कर के घर पर आ रहा था। इसी दौरान उमरगाम कोस्टल हाइवे पर वह गंभीर एक्सीडेंट का शिकार बना था और उसे सर के हिस्से में तेज चोट आई थी। जिसके चलते वह ब्रेन डेड हो गया था।

डॉक्टरों के काफी प्रयास के बाद भी उसे होश में ना लाया जा सका। जिसके चलते डॉक्टरों ने यश के परिवार से बात कर उसके ऑर्गन डोनेट करने की सलाह दी। यश के परिवार वाले भी इस बात को लेकर मान गए। जिसके बाद कड़ी पुलिस निगरानी में ग्रीन कॉरीडोर बनाकर की यश की दोनों किडनी और लीवर अहमदाबाद में भेजी गई थी। छोटी सी उम्र में चले जाने वाले यश की कमी तो कोई भी पूरी नहीं कर सकेगा। हालांकि उसके अंगो से यदि किसी को जीवन मिलता है तो इस तरह से वह भी जिंदा रहेगा, यह सोचकर उन्होंने उसके अंगदान की बात को अनुमति दी। हालांकि उनकी इच्छा है कि जिन लोगों को यह ऑर्गन डोनेट करने वाले है उनकी जानकारी यश के परिवार वालों को दी जा सके। जिसके चलते वह उन्हें मिल सके। दुनिया को अलविदा करने के बाद भी यश ने तीन लोगों को नई जिंदगी दी है, यह देखकर उसका परिवार भी काफी खुश है।

अतुल्य हिन्दुस्तान
DATE : 25-04-2022
atulyahindustan@gmail.com www.atulyahindustan.com
/atulyhindustan /atulyhindustan @atulyhindustan

डोनेट लाइफ संस्था द्वारा एक और अंगदान वापि की हरिया एल.जी. रोटरी अस्पताल से किया गया

बोर्डी में जिनल टायर के नाम से विभिन्न कंपनियों के टायर डीलरशिप के मालिक यश **13** अप्रैल की रात **8.30** बजे मोटरसाइकिल से अपनी दुकान से घर आ रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल गुजरात की तरफ गौड़ा कोस्टल हाईवे बे ब्रिज पर फिसल गई। उसे सिर में गंभीर चोटें आई। इसलिए उसे उमरगाम के जन स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर प्राथमिक उपचार देकर रात साढ़े **11** बजे हरिया एल.जी वापी लाया गया। उन्हें न्यूरोसर्जन डॉ. वासुदेव चांदवानी के इलाज में रोटरी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सीटी स्कैन से ब्रेन हेमरेज का पता चला।

शुक्रवार, **22** अप्रैल को वापी हरिया एलजी रोटरी अस्पताल के डॉक्टरों ने यश को ब्रेनडेड घोषित कर दिया और डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला को फोन कर यश के ब्रेनडेड की जानकारी दी। डोनेट लाइफ की टीम ने अस्पताल पहुंचकर यश की पत्नी मानसी, पिता झवेरीलाल, भाई दुर्गेश, देवर करण और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया।

यश की पत्नी मानसी ने कहा, "मेरे पति का ब्रेन डेड हो गया है और उनकी मृत्यु निकट है। उनका शरीर जलकर राख होने वाला है। अगर अंगदान के माध्यम से अंग विफलता के रोगियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, तो अंगदान के लिए आगे बढ़ें।" यश के परिवार में उनकी पत्नी मानसी **(21),** बेटी जिनाल **(4),** बेटा तनिष्क **(2)** और पिता जावरलाल **(64)** हैं। छह महीने पहले यश की मां का देहांत हो गया था।

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

Bizman's organs give new life to three

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Even in his death, a 25-year-old businessman from Umargam in Valsad district gave a new lease of life to three people. Organs of brain dead Yash Verma — two kidneys and a liver — were donated by his family on Monday.

The deceased is survived by his wife Mansi (21), daughter Jinal (4), son Tanishk (2) and father Zaverilal (64).

Verma was declared brain dead during treatment at Haria L G Rotary Hospital in Vapi. His kidneys were harvested by the Institute of Kidney Diseases and Research Center (IKDRC), Ahmedabad. One kidney was transplanted into a 31-year-old resident of Jetpur in Rajkot, while the second kidney was received by a 39-year-old Ahmedabad resident. The liver was transplanted into a 43-year-old resident of Ahmedabad.

A 362-km green corridor from Vapi to Ahmedabad was created and the police ensured smooth movement of the vehicle carrying the organs.

Doctors of the Vapi hospital, Dr S S Singh, Dr Vasudev Chandwani, Dr Suketu Gandhi and Dr Bhavesh Patel had declared Verma brain dead and alerted Donate Life, a Surat-based NGO that deals with organ donation awareness. The members of Donate Life convinced Verma's family of organ donation. "It was a tough time for the family as Verma has left behind two young children. Despite that the family agreed to organ donation and had set an example for others," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life.

Verma owned a tyre shop in Bordi of Maharashtra. On April 13 when he was returning home on his motorcycle, he lost control of the vehicle and slipped on the bridge on a rivulet on the Govada coastal highway.

He suffered severe head injuries and was hospitalized. After the accident, Verma was shifted to Vapi hospital in critical condition. He was pronounced brain-dead on Monday.

Gaurang Joshi

Yash Verma, a businessman from Umargam, was declared brain dead

અકસ્માતમાં બ્રેઈનડેડ જાહેર યુવાનના અંગોનુ દાન કરાયુ

(પ્રતિનિધિ) વલસાડ,

હરિયા એલજી રોટરી હોસ્પિટલને નેશનલ ઓર્ગન એન્ડ ટીશ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગેનાઈઝેશન, સરકાર દ્વારા માન્ય વલસાડ જિલ્લા (દક્ષિણ ગુજરાત)માં ઓર્ગન રીટ્રીવલ સેન્ટર તરીકે ઓળખવામાં આવે છે. ભારત અને રાજ્ય અંગ અને ટીશ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગેનાઈઝેશન , ગુજરાત સરકાર.

બ્રેઈન ડેડ જાહેર કરાયેલા ૨૬ વર્ષના પુરૂષના પરિવારજનોએ તેના અંગો જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓને દાન કર્યા છે. બોરડી - મહારાષ્ટ્રના રહેવાસી ૧૩/૦૪/૨૦૨૦ ના રોજ રોડ ટ્રાફિક અકસ્માત બાદ સ્વ. યશ જવેરીલાલ વર્માને માથામાં ગંભીર ઈજા થઈ હતી. તેમને તેમના સંબંધીઓ દ્વારા હરિયા એલ જી રોટરી હોસ્પિટલ વાપી ખાતે લઈ જવામાં આવ્યા

હતા, જ્યાં ડૉક્ટરોએ તેમને ગંભીર સારવાર હેઠળ મૂક્યા હતા અને દસ દિવસ સુધી સઘન સંભાળ પૂરી પાડી હતી.

જો કે, તેની તબીબી સ્થિતિ વધુ બગડી, અને ૨૪/૦૪/૨૦૨૨ ના રોજ આઘાતજનક મગજની ઈજાઓને કારણે તેને બ્રેઈન ડેડ જાહેર કર્યો. જ્યાં સ્વ યશ જવેરીલાલ વર્માના પરિવારએ તેમના અંગોનું જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓને દાન કરવાનો નિર્ણય લીધો હતો અને માનવતાની સુવાસ ફેલાવીને સમાજને એક નવી દિશા બતાવી હતી.

હરિયા એલજી રોટરી હોસ્પિટલમાં આ ત્રીજી વખત અંગ પુનઃપ્રાપ્તિ દાન કરવામાં આવ્યું હતું, જેમાં કિડની અને લિવરનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું, જે આ દર્દીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદ મોકલવામાં આવ્યું હતું ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઑફ કિડની ડિસીઝ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટરની (આઈકેડીઆર) ટીમ અમદાવાદથી પ્રવાસે આવી હતી. અંગો પુનઃપ્રાપ્ત કરવા માટે.

દાન કરાયેલી કિડની અને લીવર હરિયા એલજી રોટરી હોસ્પિટલ, વાપીથી અમદાવાદ વાયા રોડ પર ખસેડવામાં આવ્યા હતા, વિવિધ જિલ્લાના જિલ્લા પોલીસ અધિકારીઓના માર્ગદર્શન હેઠળ ગ્રીન કોરિડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો.

ઉમરગામના વર્મા પરિવારે અંગદાન કરી ત્રણને નવજીવન આપ્યું

સુરત, તા.૨૫

'અંગદાનથી જીવનદાન'ના સૂત્રને સાર્થક કરતા વલસાડના ઉમરગામના વર્મા પરિવારે પોતાના યુવાનવયના બ્રેઈનડેડ સ્વજન સ્વ.યશ વર્માના કિડની અને લિવરનું અંગદાન કરી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવજીવન

કિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે વાપીથી અમદાવાદ સુધીના ૩૬૨ કિ.મિ.ના માર્ગને ગ્રીન કોરિડોર બનાવાયો: ઓર્ગન ફેલ્યોર ધરાવતા જેતપુર અને અમદાવાદના ત્રણ યુવાનોને અંગદાનથી નવી જિંદગી મળી

આપ્યું છે. કિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે વાપીની હરિયા એલ. જી. રોટરી હોસ્પિટલથી અમદાવાદની IKDRC સુધીના ૩૬૨ કિ.મિ. ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યો હતો. ઉમરગામના ભાવન હેડટર, પાણીની ટાંકી સામે, નવી જી.આઈ.ડી.સી. વિસ્તારમાં રહેતાં ઝવેરીલાલ બાબુલાલ વર્માના ૨૫ વર્ષીય પુત્ર યશ જીનલ ટાયરના નામથી વિવિધ કંપનીઓના ટાયરની ડીલરશીપ ધરાવતાં હતાં. યશ તા.૧૩ એપ્રિલના રોજ રાત્રે ૮:૩૦ કલાકે દુકાનેથી મોટરસાઈકલ પર સાવર થઈને ઘરે જઈ રહ્યો હતો, ત્યારે ગોવાડા કોસ્ટલ હાઈવે, ખાડીના પુલ પાસે મોટરસાયકલ સ્લીપ થઈ જતા તેને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. જેથી પરિવાર દ્વારા ઉમરગામમાં પબ્લિક હેલ્થ સેન્ટરમાં દાખલ કરી પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે રાત્રે ૧૧:૫૦ કલાકે વાપીની હરિયા એલ. જી. રોટરી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. ફરજ પરના ન્યુરોર્જન ડૉ.વાસુદેવ ચંદવાણીએ નિદાન અને સારવાર દરમિયાન સીટી સ્કેન કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું જણાયું હતું.

સ્થિતિ ગંભીર હોવાથી હોસ્પિટલ દ્વારા યશને બ્રેનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો. હરિયા હોસ્પિટલના કોર્ડિનેટર આનંદ શિરસાઠે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી યશની પત્ની માનસી, પિતા ઝવેરીલાલ, ભાઈ દુર્ગેશ, સાળા કરણ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી. યશના પરિવારમાં તેની પત્ની માનસી, ૪ વર્ષની પુત્રી જીનલ, ૨ વર્ષનો પુત્ર તનિષ્ક, પિતા ૬૪ વર્ષીય ઝવેરીલાલ છે. યશની માતાનું છ મહિના પહેલા અવસાન થયું હતું.

સ્વ.યશની પત્ની માનસીએ જણાવ્યું કે મારા પતિ બ્રેઈનડેડ છે, અને તેમનું મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે. આખરે શરીર બળીને રાખ જ થઈ જવાનું છે, ત્યારે તેમના અંગોના દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્દીઓને નવજીવન મળતું હોય તો અંગદાન માટે આગળ વધવાની સંમતિ આપી હતી.

પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સ્ટેટ ઓર્ગન એન્ડ ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગ. (SOTTO)નો સંપર્ક કરી કિડની અને લિવરના અંગદાન માટે જણાવ્યું SOTTO દ્વારા કિડની અને લિવર અમદાવાદની ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ કિડની ડિસીઝીસ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટરને ફાળવવામાં આવ્યા. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંને કિડનીમાંથી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જેતપુરના રહેવાસી ૩૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી ૩૯ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી ૪૩ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની અમદાવાદની ઈન્સ્ટીટ્યુટ ઓફ કિડની ડિસીઝીસ એન્ડ રિસર્ચ સેન્ટર(IKDRC) માં કરવામાં આવ્યું હતું. કિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે વાપીની હરિયા હોસ્પિટલથી અમદાવાદની IKDRC સુધીના ૩૬૨ કિ.મિ. ના માર્ગને ગ્રીન કોરિડોર બનાવાયો હતો. જેમાં રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપડ્યો હતો. અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા સ્ટેટ એડવાઈઝરી કમિટી ફોર ઓર્ગન અને ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશનના કમિટી મેમ્બર અને ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાના માર્ગદર્શન હેઠળ કરવામાં આવી હતી.

ઉમરગામના બ્રેઈનડેડ યશ વર્માના અંગદાન થકી ત્રણ વ્યક્તિને નવું જીવન

વર્માપરિવારે અંગદાન થકી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી

ધબકાર પ્રતિનિધિ,
સુરત, તા. ૨૫

ઉમરગામના નવી જી.આઈ.ડી.સી. વિસ્તારમાં બાવન હેક્ટર, પાણીની ટાંકી સામે રહેતા અને બોરડીમાં જીનલ ટાયરના નામથી વિવિધ કંપનીઓના ટાયરની ડીલરશીપ ધરાવતા યશ ઝવેરીલાલ વર્મા (ઉ. વ. ૨૫) બ્રેઈનડેડ થતા પરિવારે તેના કિડની અને લિવરનું દાન કરી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષી, માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી હતી.

યશ ગત ૧૩ એપ્રીલે રાત્રે દુકાનેથી પરત આવતા સમયે ગોવાડા કોસ્ટલ હાઈવે ખાડીના પુલ પર બાઉક સ્લીપ થઈ જતા માથામાં ગંભીર ઈજા સાથે ઉમરગામ પબ્લિક હેલ્થ સેન્ટરમાં પ્રાથમિક સારવાર આપ્યા બાદ વધુ સારવાર માટે વાપીની હરિયા એલ. જી. રોટરી હોસ્પીટલમાં દાખલ કરાતા સીટી સ્કેનમાં બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ૨૨ એપ્રીલે તબીબોએ યશને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યો. હતો

હરિયા એલ. જી. રોટરી હોસ્પીટલના કોર્ડિનેટર આનંદ શીરસાટે ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાનો ટેલીફોનીક સંપર્ક કરી આ જાણકારી આપતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી યશની પત્ની માનસી, પિતા ઝવેરીલાલ, ભાઈ દુર્ગેશ, સાળા કરણ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવતા પરિવારે ઈંગદાનની સંમતિ આપી હતી.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી યશની બંને કિડનીમાંથી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જેતપુરના૩૧ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના ૩૯ વર્ષીય વ્યક્તિમાં, લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના ૪૩ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Center (IKDRC) માં કરવામાં આવ્યું છે. કિડની અને લિવર સમયસર અમદાવાદ પહોંચાડવા માટે વાપીથી અમદાવાદ સુધીના ૩૬૨ કિ.મિ. ના માર્ગને ગ્રીન કોરીડોર બનાવવા માટે રાજ્યના વિવિધ શહેર અને ગ્રામ્ય પોલીસનો સહકાર સાંપડ્યો હતો.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૦૯ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૨૪ કિડની, ૧૮૧ લિવર, ૮ પેન્ક્રીઆસ, ૪૦ હૃદય, ૨૬ ફેફસાં, ૪ હાથ અને ૩૨૬ ચક્ષુઓના દાનથી કુલ ૯૨૨ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.

News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 24th April, 2022

424
KIDNEY

181
LIVER

40
HEART

26
LUNGS

08
PANCREAS

326
CORNEA

04
HANDS

Total **1009** Organs & Tissues donated,
along with **04** Hand Donation
which has given New Life & Vision to **922** persons
across Country & Globe.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."